Maa Durga Shabar Mantra for Money

।।श्रीदुर्गा लक्ष्मीकारक शाबर मंत्र।।

Shri Raj verma ji

Contact- +91-9897507933, +91-7500292413(WhatsApp No.)

Email- mahakalshakti@gmail.com

For more info visit---

www.scribd.com/mahakalshakti

www.gurudevrajverma.com

जो सृष्टिकाल में सर्गशक्ति, स्थितिकाल में पालनशक्ति तथा संहारकाल में रुद्रशक्ति के रूप में रहती हैं। चराचर जगत् जिनके मनोरंजन की सामग्री है; परा, पश्यन्ती, मध्यमा एवं वैखरी वाणी के रूप में जो विराजमान रहती हैं तथा ब्रह्मा-विष्णु-शंकर के द्वारा जो आराधित हैं, उन भक्तवत्सला करुणामयी आद्यशक्ति जगदम्बा का मैं महालक्ष्मीरूप में चिंतन करता हूं।

मंत्रः- "ॐ ह्रीं श्रीं चामुण्डा सिंहवाहिनी बीसहस्ती भगवती रत्नमण्डित सोनन की माल। उत्तरपथ में आप बठी, हाथ सिद्ध वाचा ऋद्धि-सिद्धि। धनधान्य देहि-देहि कुरु-कुरु स्वाहा।"

दरिद्रता एक ऐसा अभिश्राप है जिससे पीड़ीत मनुष्य का समाज में कोई आदर-सत्कार नहीं होता। इसके विपरित धनवान एवं सामर्थ्यवान् मनुष्य का सर्वत्र सम्मान होता है। इसलिये मनुष्य के जीवन में पर्याप्त लक्ष्मी का होना निश्चित रूप से

अनिवार्य है। शास्त्रों ने भी चारों पुरुषार्थों में अर्थ को स्थान दिया है। मनुष्य की कुण्डली में ग्रहों की दशा जब विपरित स्थिति में हो तब सोच विचारकर किया गया कार्य भी विपरित फल प्रदान करता है। अतः ऐसी विकट परिस्थिति में जैसे- कारोबार में हानि, शत्रुओं का कोप, नौकरी या व्यवसाय में रुकावट, कर्ज अथवा तंत्रबंधन आदि व्याधियों में आदिशक्ति जगदम्बा का यह दिव्य लक्ष्मीकारक शाबरमंत्र अमृत के समान है। शाबर परम्परा के अनुसार इस मंत्र को नवरात्र या ग्रहणकाल में सिद्ध कर लें। तत्पश्चात् शुभकाल में सवालाख जप, शक्तिमन्दिर अथवा एकान्त पवित्र स्थान में सम्पन्न करें। इसके बाद दशांश होम तथा कन्या भोजन करायें। इस विधि से साधक घोर दरिद्रता एवं दुःखों से मुक्त होकर सुख-सम्पत्ति एवं दीर्घायु प्राप्त करता है। शाबर साधना एवं शक्ति साधना की आवश्यक जानकारी हेतु समर्थ गुरु की सहायता ले, तत्पश्चात् साधनारम्भ करें।

Books Written by Gurudev Shri Raj Verma ji

- Divya Mantra Sadhana Evam Siddhi

- Shri Baglamukhi Divya Sadhana

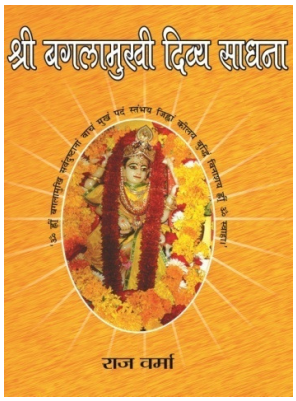

To purchase these books call to Hari Publications.

Mob- 09027154151, 09897035137